

## 48988 - ईद के लिए स्नान का समय

### प्रश्न

ईद के लिए स्नान कब किया जायेगा ? क्योंकि जब मैं फज्ज के बाद स्नान करता हूँ तो समय बहुत तंग होता है क्योंकि ईदगाह जिसमें हम ईद की नमाज़ पढ़ते हैं मेरे घर से बहुत दूर है।

### विस्तृत उत्तर

सर्व प्रथम :

ईद के दिन स्नान करना मुस्तहब है।

यह बात वर्णित है कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ईद के दिन स्नान किया।

इसी तरह कुछ सहाबा जैसे अली बिन अबू तालिब, सलमह बिन अल-अकवअ और इब्ने उमर रज़ियल्लाह अन्हम के बारे में ईद के दिन गुस्त करना वर्णित है।

इमाम नववी ने अल-मजमू में फरमाया :

“इसके बारे में दो ज़र्इफ हदीसें हैं . . . किंतु इब्ने उमर से उनके सुन्नत का सख्त अनुकरण करने के बावजूद यह साबित है कि वह ईद के दिन निकलने से पहले स्नान करते थे।” (अंत)

इब्नुल क़ैयिम ने फरमाया :

“इसके बारे में दो ज़र्इफ हदीसें हैं . . . किंतु इब्ने उमर से उनके सुन्नत का सख्त अनुकरण करने के बावजूद यह साबित है कि वह ईद के दिन निकलने से पहले स्नान करते थे।” (अंत)

दूसरा :

जहाँ तक ईद के लिए स्नान करने के समय का संबंध है, तो सर्वश्रेष्ठ यह है कि वह फज्ज की नमाज़ के बाद हो, और यदि वह समय के तंग और फज्ज के बाद स्नान करने में कष्ट को ध्यान में रखते हुए फज्ज से पहले स्नान कर ले तो पर्याप्त होगा, जबकि लोगों को ईद की नमाज़ के लिए जाने की आवश्यकता होती है और हो सकता है कि ईदगाह दूर हो।

मुवक्ता इमाम मालिक की शरह अल-मुंतक़ा में फरमाया :

मुसतहब यह है कि उसका स्नान उसके ईदगाह की तरफ निकलने से मिला हुआ हो। इब्ने हबीब ने कहा : ईद के लिए स्नान करने का सर्वश्रेष्ठ समय सुबह की नमाज़ के बाद है। इमाम मालिक ने अल-मुख्तसर में फरमाया : यदि ईदैन के लिए फज्ज से पहले स्नान कर ले तो इसमें विस्तार है। (अंत)

तथा शर्ह मुख्तसर खलील (2/102)में है कि उसका समय रात का अंतिम छठा हिस्सा है।

तथा इब्ने कुदामा ने “अल-मुग्नी” में फरमाया :

“अल-खिरकी के प्रत्यक्ष शब्दों में (ईद के लिए) स्नान का समय फज्ज के उदय होने के बाद है। क़ाज़ी और आमिदी ने कहा : यदि उसने फज्ज से पहले स्नान किया तो वह स्नान की सुन्नत को नहीं पायेगा, क्योंकि एक नमाज़ का स्नान उसी दिन में होना चाहिए, अतः फज्ज से पहले जाइज़ नहीं है जैसे कि जुमुआ के स्नान का मामला है। तथा इब्ने अक़्बिल ने फरमाया : इमाम अहमद से मनसूस (स्पष्ट शब्द) यह है कि वह (स्नान का समय) फज्ज से पहले और उसके बाद है; क्योंकि ईद का समय जुमुआ के समय से तंग और सीमित होता है, इसलिए यदि उसे फज्ज पर आधारित कर दिया जाए तो नमाज़ का समय निकल सकता है, और इसलिए भी कि स्नान का मक्कसद सफाई व सुथराई हासिल करना है, और यह रात में स्नान करके भी प्राप्त हो सकती है क्योंकि वह नमाज़ से क़रीब है, जबकि सर्वश्रेष्ठ यह है कि फज्ज के बाद स्नान किया जाए, ताकि मतभेद और विवाद से निकला जा सके, और नमाज़ से क़रीब होने के कारण सफाई व सुथराई में भी अधिक हो।

नववी ने “अल-मज़मू” में फरमाया :

इस स्नान के शुद्ध होने के समय के बारे में दो प्रसिद्ध विचार हैं, उन में से एक यह है कि उसका समय फज्ज के बाद है, किंतु बुल उम्म में इसे स्पष्ट रूप से वर्णन किया गया है। और उन दोनों में सबसे सहीह असहाब (इमाम शाफ़ी के अनुयायियों) की सर्व सहमति के साथ यह है कि फज्ज से पहले और उसके बाद गुस्ल करना जाइज़ है . . .

तथा क़ाज़ी अबू तैयिब ने अपनी किताब “अल-मुजर्रद”में फरमाया : इमाम शाफ़ी ने “अल-बुवैती” में ईद के लिए फज्ज से पहले स्नान करने के सहीह होने को स्पष्ट रूप से वर्णन किया है।

नववी ने कहा : अगर हम सबसे सहीह विचार को चयन करते हुए कहें कि फज्ज से पूर्व स्नान करना जाइज़ है, तो उसके निर्धारित करने के बारे में तीन रूप हैं, उनमें सबसे सही और सबसे प्रसिद्ध यह है कि : आधी रात के बाद सही है और उस से पहले सही नहीं है, दूसरा रूप यह है कि : पूरी रात में सही है, इसी को गज़ाली ने सुनिश्चित किया है और इब्नुस्सब्बाग वगैरह ने इसे पसंद किया है। तीसरा रूप यह है कि फज्ज से थोड़ा पहले सेहरी के समय सही है, बगावी ने इसी को सुनिश्चित किया है। संक्षेप के साथ समाप्त हुआ।

इस आधार पर, ईद के लिए फज्ज से पहले स्नान करने में कुछ भी गलत नहीं है ताकि मुसलमान ईद की नमाज़ के लिए निकलने पर सक्षम हो सके।